दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, गुरूवार 30 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 210

महत्वपूर्ण एवं खास

समय से शुरू होगा संसद का मानसून सत्र

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को उम्मीद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उपराष्ट्रपति व राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू ने उम्मीद जताई है कि सरकार जिस तरह से कदम उठा रही है उससे लगता है कि संसद का मानसून सत्र समय से शुरू हो जाएगा। हालांकि उन्होंने कहा कि सत्र के बारे में अंतिम फैसला समीक्षा के बाद लिया जाएगा। नायडू ने राज्यसभा के सभी सदस्यों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीजेआई एसए बोबडे, पूर्व राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों, मौजूदा और पूर्व सीजेआई, राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों से बात की है। नायडू ने इसे मिशन कनेक्ट नाम दिया और सभी से कोरोना के हालातों का जायजा लिया। इस दौरान जब कुछ सदस्यों ने उनसे मानसून सत्र शुरू होने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा परिस्थिति को देखते हुए ही इसका फैसला किया जाएगा। नायडू ने ट्वीट किया, सरकार के कदमों के सकारात्मक नतीजों से उम्मीद लगाई जा सकती है कि मानसून सत्र समय से शुरू हो सकता है।

देश में हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्विन का बंपर स्टॉक

जरूरत से 10 गुना ज्यादा है भंडार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय ड्रग्स एसोसिएशन गुजरात के चेयरमैन विरंची शाह ने दावा किया है कि देश में हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्विन की कोई कमी नहीं है। हर महीने करीब 35 से 40 करोड़ गोलियों का उत्पादन हो रहा है। शाह ने कहा कि हम हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्विन की जितनी गोलियों का उत्पादन कर रहे हैं वह हमारी जरूरत का 10 गुना है। उन्होंने बताया कि दुनिया में हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्विन के कुल उत्पादन का 70 फीसदी सिर्फ भारत में होता है। इस दवा का इस्तेमाल मूल रूप से मलेरिया और अर्थराइटिस के कुछ मामलों में किया जाता है। शाह ने बताया कि पिछले साल भारत में करीब 2.4 करोड़ गोरियों की खपत हुई थी। इस हिसाब से हमारे पास हर महीने जरूरत से 10 गुणा अधिक उत्पादन हो रहा है। शाह ने कहा, हम इस वक्त दूसरे जरूरतमंद देशों को भी हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्विन दे सकते हैं। इसके अलावा सरकार ने करीब दस करोड़ गोलियों का एक बफर स्टॉक रखा है जो लगभग 20 लाख कोरोना मरीजों के लिए पर्याप्त होगी।

लॉकडाउन के दौरान देश में कोरोना की रफ्तार हुई धीमी

पहली बार एक दिन की वृद्धि दर केवल 6 फीसदी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी पर काबू पाने के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन को एक महीने हो गए हैं। सरकार के इस प्रभावशाली कदम से कोरोना के बढ़ने की रफ्तार में काफी कमी आई है। अगर एक दिन का आंकड़ा यानि शुक्रवार सुबह 8 बजे से शनिवार सुबह 8 बजे तक देखे तो भारत में नए मामलों की वृद्धि दर 6 फीसदी है। यह भारत में 100 मामलों को पार करने के बाद से दर्ज की गई सबसे कम दैनिक वृद्धि दर है। सूत्रों की माने तो यदि देश में लॉकडाउन के दौरान पूरे महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो वायरस के फैलने की रफ्तार में भारी कमी देखने को मिलेगी. अगर सरकार ने देश में लॉकडाउन लगाने के लिए केसों के बढ़ने का इंतजार किया होता तो आज हालात कुछ और ही होते। ऐसा अनुमान है

घुटन से बचा सकता है स्प्रे जनित मास्क

सांस लेने में परेशानी नहीं होती

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारतीय वैज्ञानिकों ने एक हर्बल डीकन्जेस्टैंट स्प्रे विकसित किया है, जो इस समस्या से निजात दिलाने में मददगार हो सकता है। वहीं सरकार द्वारा भी कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। पुलिस, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मियों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को लंबे समय मास्क लगाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें कई बार सांस लेने में घुटन महसूस होती है, जिसका समाधान हर्बल स्प्रेस का छिडकाव हो सकता है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार यह हर्बल डीकन्जेस्टैंट स्प्रेकिसीइन्हैलर की तरह काम करता है, जिसे नेशनल बोटैनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई) के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार किया गया है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति पीएम समेत नेताओं ने दी ऋषि कपूर को श्रदंजलि

नई दिल्ली,(आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न मंत्रियों ने सदाबहार अभिनेता ऋषि कपूर के निधन पर बृहस्पतिवार को शोक प्रकट किया और उन्हें सदाबहार एवं ऊर्जा से परिपूर्ण व्यक्तित्व बताया।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने ट्वीट में कहा कि ऋषि कपूर के असामयिक निधन से गहरा दुःख हुआ है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि उनके सदाबहार और प्रसन्नचित्त व्यक्तित्व तथा ऊर्जा के कारण यह विश्वास करना मुश्किल है कि वे नहीं रहे। उनका निधन सिने जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। उप राष्ट्रपति नायडू ने अपने शोक संदेश में कहा कि हिंदी सिनेमा के प्रख्यात कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता ऋषि कपूर के असामयिक निधन के दुखद समाचार से स्तब्ध हूं। उन्होंने अपनी बहुमुखी अभिनय प्रतिभा से भारतीय दर्शकों को दशकों तक मंत्रमुग्ध रखा और उन चरित्रों को हमारी स्मृति में अमर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि बहुआयामी, प्रिय और जीवंतज्ये ऋषि कपूर जी थे। वह प्रतिभा का पावरहाउस थे। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा सोशल मीडिया पर भी अपनी बातचीत को याद करूंगा। ऋषि कपूर के निधन पर शोक प्रकट करते हुए मोदी ने कहा कि वह फिल्मों और भारत की प्रगति के बारे में उत्साहित रहते थे। उनके निधन से दुखी हूं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर जी के निधन के बारे में जानने पर दुख हुआ। वह अपने आप में एक संस्था थे। उन्होंने कहा कि ऋषि कपूर जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें उनके असाधारण अभिनय कौशल के लिए हमेशा याद किया जाएगा। शाह ने कहा कि उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऋषि कपूर के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा के लिए यह एक भयानक सप्ताह है, जिसमें एक और दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर का निधन हो गया है। उन्होंने कहा कि एक अद्भुत अभिनेता जिनकी हर पीढ़ी में एक विशाल प्रशंसक रहे हैं, उन्हें बहुत याद किया जाएगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अभिनेता ऋषि कपूर के निधन पर दुख जताते हुए कहा कि जाने माने फिल्म अभिनेता ऋषि कपूर के निधन से दुखी हूं। उन्होंने अपने अनोखो अंदाज और अदाकारी से अपने प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मेरी प्रार्थना, उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।ओम शांति। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने ऋषि कपूर के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा को एक और बड़ा नुकसान । दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के निधन से दुखी हूं जो प्रतिभा और कला से भरे हुए व्यक्ति थे । उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी संवेदना । ओम शांति । ऋषि कपूर का मुंबई के अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें अचानक तबीयत खराब होने पर बुधवार को रात में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेता 2018 से ल्यूकेमिया (रक्त का कैंसर) से जंग लड़ रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का कोरोना रोगियों के उपचार के निर्देश बदलने से किया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कोविड-19 के गंभीर रूप से बीमार रोगियों के उपचार के लिए दिशानिर्देश बदलने को लेकर किसी तरह का निर्देश देने से इनकार कर दिया। इन रोगियों को मलेरिया रोधी दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन का संयोजन दिया जा रहा है।

अदालत ने कहा कि वह इलाज को लेकर विशेषज्ञ नहीं है। जस्टिस एन वी रमण, संजय किशन कौल और बी आर गवई की पीठ ने एक गैर सरकारी संगठन पीपल फॉर बेटर ट्रीटमेंट द्वारा दायर याचिका को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का प्रतिनिधित्व माना। सुनवाई के दौरान ओहियो स्थित भारतीय मूल के डॉक्टर और पीबीटी अध्यक्ष कुणाल साहा ने कहा कि उन्होंने कोविड-19 के लिए उपचार को नहीं बल्कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और एजिथ्रोमाइसिन के उपयोग के दुष्प्रभाव को चुनौती दी है क्योंकि लोग इसके कारण मर रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए साहा ने कहा कि एक अमेरिकी हृदय संस्थान द्वारा दुष्प्रभावों को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की गई है। जिसपर विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि अभी तक कोविड-19 के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है और डॉक्टर अलग-अलग तरीके आजमा रहे हैं।

अदालत ने कहा कि इलाज को लेकर विशेषज्ञ नहीं है। इलाज के तरीकों का निर्धारण करना डॉक्टरों के हाथ में है और अदालत यह तय नहीं कर सकती है कि किस तरह का इलाज दिया जाए। पीठ ने साहा को आईसीएमआर के प्रतिनिधित्व के रूप में अपनी याचिका लेने को कहा, जो इसके सुझावों की जांच कर सकती है। साहा ने कहा कि वह यह नहीं कर रहे हैं कि इलाज के लिए कोई विशेष तरीका सही है लेकिन वे सावधानी बरतने के लिए कह रहे हैं क्योंकि लोग इसके दुष्प्रभावों से मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सूचित सहमति होनी चाहिए क्योंकि मरीज को यह जानने का अधिकार है कि उपचार के इस तरीके में जोखिम भी शामिल है। पीठ ने कहा कि न्यायालय उपचार के लिए अपनाए जाने वाले किसी विशेष तरीके के बारे में निर्देश नहीं दे सकता है। साथ ही उसने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह यह याचिका आईसीएमआर को उपलब्ध कराएं जो इन सुझावों पर गौर करेगी।

स्पाइसजेट की उड़ान से चीन से 14 टन चिकित्सा सामग्री भारत पहुंची राष्ट्रीय

नई दिल्ली,(आरएनएस)। निजी क्षेत्र की एयरलाइन स्पाइसजेट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह चीन से यहां 14 टन चिकित्सा सामग्री लेकर आई है। एयरलाइन ने कहा कि उसने चीन के गुआंगझू से दिल्ली के लिये बुधवार को अपनी पहली मालवाहक उड़ान का परिचालन किया, जिसमें चिकित्सा सामग्री लदी हुई थी। एयरलाइन ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि मालवाहक विमान बुधवार को रात आठ बज कर 20 मिनट पर गुआंगझू से कोलकाता पहुंचा। इसके बाद, बी 737 उड़ान वहां से रात सवा ग्यारह बजे दिल्ली पहुंची। एयरलाइन ने कहा कि विमान में दवाइयां एवं सुरक्षा उपकरण सहित 14 टन चिकित्सा सामग्री थी। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान सभी यात्री उड़ानें स्थगित हैं।

कुछ रियायतों के साथ बढ़ सकता है लॉकडाउन राष्ट्रीय

➤ 4 मई से कोरोना पर नई गाइडलाइन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए तीन मई तक लॉकडाउन की भी समाप्त होने वाली है। इस बीच गृह मंत्रालय की प्रवक्ता ने बताया कि 4 मई से नई गाइडलाइंस प्रभावी हो जाएंगी। इसका मतलब साफ है कि तीन मई के बाद भी लॉकडाउन में पूरी तरह से छूट नहीं दी जाएगी। कुछ रियायतों के साथ लॉकडाउन को बढ़ाया जा सकता है।

गृह मंत्रालय की प्रवक्ता के अनुसार कोविड-19 से लडने के लिए नए दिशानिर्देश 4 मई से प्रभावी हो जाएंगे, जो कई जिलों को काफी हद तक राहत देंगे। इस संबंध में विवरण आने वाले दिनों में सूचित किया जाएगा। गृह मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया कि गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन की स्थिति पर एक व्यापक समीक्षा बैठक की। अब तक लॉकडाउन के कारण स्थिति में जबरदस्त लाभ और सुधार हुआ है। हम इस लाभ को आगे गंवा नहीं सकते। लॉकडाउन दिशानिर्देशों को 3 मई तक सख्ती से पालन करना चाहिए। इससे पहले बुधवार शाम में गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूर, छात्र, तीर्थयात्री और सैलानियों को अपने-अपने राज्यो में वापस जाने की इजाजत दे दी। हालांकि इसके लिए राज्य की सहमति की जरूरत होगी। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए दिशानिर्देश के अनुसार दूसरे राज्यों में जाने की इजाजत सिर्फ बसों के माध्यम से ही मिलेगी और घर पहुंचने के बाद उन्हें क्वारंटीन में रहना होगा।

ग्रीन और ऑरेंज जोन में मिलेगी ढील

4 मई से ग्रीन और ऑरेंज जोन में पाबंदियों में काफी ढील दी जा सकती है। इन इलाकों में पहले से ही गृह मंत्रालय ने गैरजरूरी सामानों, सेवाओं की दुकानों को खोलने की अनुमति दे दी है। अब यहां हर तरह की दुकानों को खुलने की इजाजत दी जा सकती हैं। ग्रीन जोन वे हैं जो या तो अब तक कोरोना से अछूते रहे हैं या फिर पिछले 28 दिनों से वहां नए केस सामने नहीं आए हैं। ऑरेंज जोन वे हैं जहां पिछले 14 दिनों से नए केस सामने नहीं आए हैं। ऐक्टिव केसों वाले इलाके रेड जोन हैं और वहां पाबंदियों में छूट की संभावना कम है।

कोरोना से अछूते 300 जिलों में पूरी छूट मुमकिन

देश में 300 जिले ऐसे हैं जो अब तक कोरोना से अछूते हैं यानी वहां अब तक कोरोना के एक भी केस सामने नहीं आए हैं। इन जिलों में 4 मई के बाद हर तरह की कारोबारी गतिविधियां शुरू हो सकती हैं यानी यहां हर तरह की दुकानें, कारोबारी प्रतिष्ठान, छोटे-मोटे उद्योग, दफ्तर आदि खोले जा सकते हैं। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के 300 जिले तो कोरोना से बिल्कुल अछूते हैं। इसके अलावा 300 जिले ऐसे हैं जहां कोरोना के मामले बेहद कम हैं। इन जिलों में भी रियायतों का दायरा बढ़ाया जा सकता है यानी यहां भी दुकानें, दफ्तर, कारोबार को धीरे-धीरे खोलने की इजाजत दी जा सकती है।

ग्रीन जोन्स में इंट्रा ट्रांसपोर्ट की दी जा सकती है इजाजत

इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट ट्रांसपोर्ट को भी इजाजत दी जा सकती है। सटे हुए ग्रीन जोन वाले जिलों के बीच भी ट्रांसपोर्ट शुरू किया जा सकता है। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के मानकों का पालन जरूरी होगा।

129 जिले हॉटस्पॉट जहां छूट की उम्मीद नहीं

देश के 129 जिलों में कोरोना वायरस के हॉटस्पॉट हैं यानी ये जिले रेड जोन में हैं। रेड जोन्स में हॉटस्पॉट्स से बाहर के इलाकों में ही कुछ मुमकिन है। हॉटस्पॉट्स में छूट मिलने की संभावना न के बराबर है। लॉकडाउन के बाद एक रणनीति तो यह हो सकती है कि हॉटस्पॉट्स से बाहर जाने या किसी बाहरी के वहां आने को पूरी सख्ती से रोका जाए और बाकी इलाकों में ज्यादा से ज्यादा छूट दी जाए ताकि इकॉनमी का पहिया भी आगे बढ़े। खास बात यह है कि मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद जैसे शहर जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, वे उद्योगों व रोजगार के सबसे बड़े केंद्र भी हैं।

फंसे हुए लोगों को ले जाना बड़ी चुनौती

फंसे हुए लोगों को उनके घर ले जाने के लिए ट्रेनों को चलाने की मांग हो रही है लेकिन केंद्र ने इससे इनकार किया है। सभी को बसों से ही ले जाया जाएगा और इसकी व्यवस्था संबंधित राज्य सरकारें करेंगी। लाखों लोगों को इस तरह बसों से ले जाना आसान भी नहीं है। देश के एक कोने से दूसरे कोने तक बसों के जरिए लोगों को लाना-ले जाना निश्चित तौर पर बहुत ही चुनौती वाला काम है। इसके अलावा अब जब इकॉनमी को खोलने का वक्त है,

गृह मंत्रालय ने दी छूट

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 15 अप्रैल के अपने दिशानिर्देशों में बदलाव कर राज्यों को लॉकडाउन में फंसे अपने लोगों को घर ले जाने की अनुमति दे दी है। अब तक के संकेत बताते हैं कि देशव्यापी लॉकडाउन अब नहीं बढने वाला है। अब तक वायरस से अछूते रहे या कम जोखिम वाले क्षेत्र धीरे-धीरे सामान्य जनजीवन की तरफ बढने वाले हैं। मसलन गृह मंत्रालय की तरफ से जारी दिशानिर्देश के अनुसार सभी राज्यों को फंसे हुए लोगों को भेजने, अपने यहां बुलाने के लिये नोडल प्राधिकारी नियुक्त करने होंगे और मानक प्रोटोकॉल तैयार करना होगा। नोडल अधिकारी अपने राज्यों या केंद्रशासित क्षेत्रों में फंसे लोगों को पंजीकृत करेंगे। अगर फंसे हुए लोगों का समूह एक राज्य से दूसरे राज्य में जाना चाहता है तो राज्य एक-दूसरे से परामर्श कर सड़क मार्ग से आवाजाही पर परस्पर सहमत हो सकते हैं।

गरीबों की मदद के लिए लगेंगे 65 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और जाने माने अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने लॉकडाउन के बाद आर्थिक गतिविधियां जल्द खोलने की पैरवी करते हुए गुरुवार को कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के साथ ही लोगों की जीविका की सुरक्षा करनी होगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किए गए संवाद के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि देश के गरीबों, मजदूरों और किसानों की प्रत्यक्ष अंतरण के माध्यम से वित्तीय मदद करनी होगी जिसमें 65 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। गांधी के एक प्रश्न के उत्तर में राजन ने कहा कि सामाजिक सौहार्द में लोगों की भलाई है और इस चुनौतीपूर्ण समय में हम विभाजित रहने का जोखिम नहीं उठा सकते। राजन ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था 200 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की है और हम 65 हजार करोड़ रुपये का वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को जल्द खोलना होगा और साथ ही कोरोना वायरस से निपटने के कदम भी उठाते रहने होंगे। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ने भारत में कोरोना की जांच की संख्या के मुद्दे पर कहा कि अमेरिका में रोजाना औसतन 150000 जांच हो रही है। बहुत सारे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि पांच लाख लोगों की जांच करनी चाहिए। भारत में हम रोजाना 20-25 हजार जांच कर रहे हैं। ऐसे हमें बड़े पैमाने पर जांच करनी होगी। उन्होंने कहा कि, हम संक्रमण का ग्राफ कम करने और अस्पतालों/मेडिकल सुविधाओं पर अत्यधिक बोझ न डालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन साथ ही अब हमें यह भी सोचना होगा कि लोगों की रोजी-रोटी फिर से कैसे शुरू की जाए। लॉकडाऊन हमेशा बनाकर रखना बहुत आसान है, लेकिन अर्थव्यवस्था के लिए यह नहीं चल सकता। इसे क्रमवार करना होगा। पहले वो स्थान, जहां पर आप सोशल डिस्टैंसिंग बनाकर रख सकते हैं। डिस्टैंसिंग केवल कार्यस्थलों पर ही नहीं, बल्कि कार्यस्थल के आवागमन में भी डिस्टैंसिंग जरूरी है।परिवहन का तरीका। क्या लोगों के पास परिवहन का निजी साधन हैं, साईकल, स्कूटर या कार है? या वो सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं? आप सार्वजनिक परिवहन में डिस्टैंसिंग कैसे बनाएंगे? यह सारी व्यवस्था करने में बहुत काम और मेहनत करना पडेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कार्यस्थल अपेक्षाकृत सुरक्षित हों। इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि यदि कहीं दुर्घटनावश कोई ताजा मामले तो सामने आये, तो हम कितनी तेजी से प्रभावित लोगों को आइसोलेट कर सकते हैं, वो भी तीसरे या चौथे लॉडाउन को लागू किए बिना, अगर ऐसा होता है तो विनाशकारी होगा। उनका मानना है, कि दूसरे लॉकडाऊन को ही लगाने का मतलब है कि आप गतिविधि (आर्थिक) को सही से शुरू करने में आप सफल नहीं हुए। इसी से सवाल उठता है कि अगर इस बार खोल दिया तो क्या आप तीसरे लॉकडाउन की जरूरत न पड़ जाए और इससे विश्वसनीयता पर आंच आएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, कि मैं नहीं मानता कि हमें 100 प्रतिशत सफलता की ओर भागना चाहिए, यानी कहीं भी कोई केस न हो।